

मध्य पूर्व में आतंकवादी समूह

प्रारंभिक परीक्षा के लिये:

[हज़िबुल्लाह](#), [मध्य पूर्व](#), ईरान-इराक युद्ध, [इसलामिक स्टेट ऑफ इराक एंड द लेवेंट \(ISIL\)](#), कुरद ।

मुख्य परीक्षा के लिये:

मध्य पूर्व में उग्रवादी समूह, इन समूहों के संदर्भ में भारत का दृष्टिकोण, प्रमुख मध्य पूर्वी देशों के प्रति भारत की विदेश नीति।

[स्रोत: डेक्कन हेराल्ड](#)

चर्चा में क्यों?

हाल ही में इज़रायल ने [मध्य पूर्व](#) के आतंकवादी समूहों में से एक, [हज़िबुल्लाह](#) पर हमला किया । इस हमले से मध्य पूर्व के कई आतंकवादी समूह चर्चा का विषय बन गए हैं ।

मध्य पूर्व के विभिन्न आतंकवादी समूह कौन-कौन से हैं?

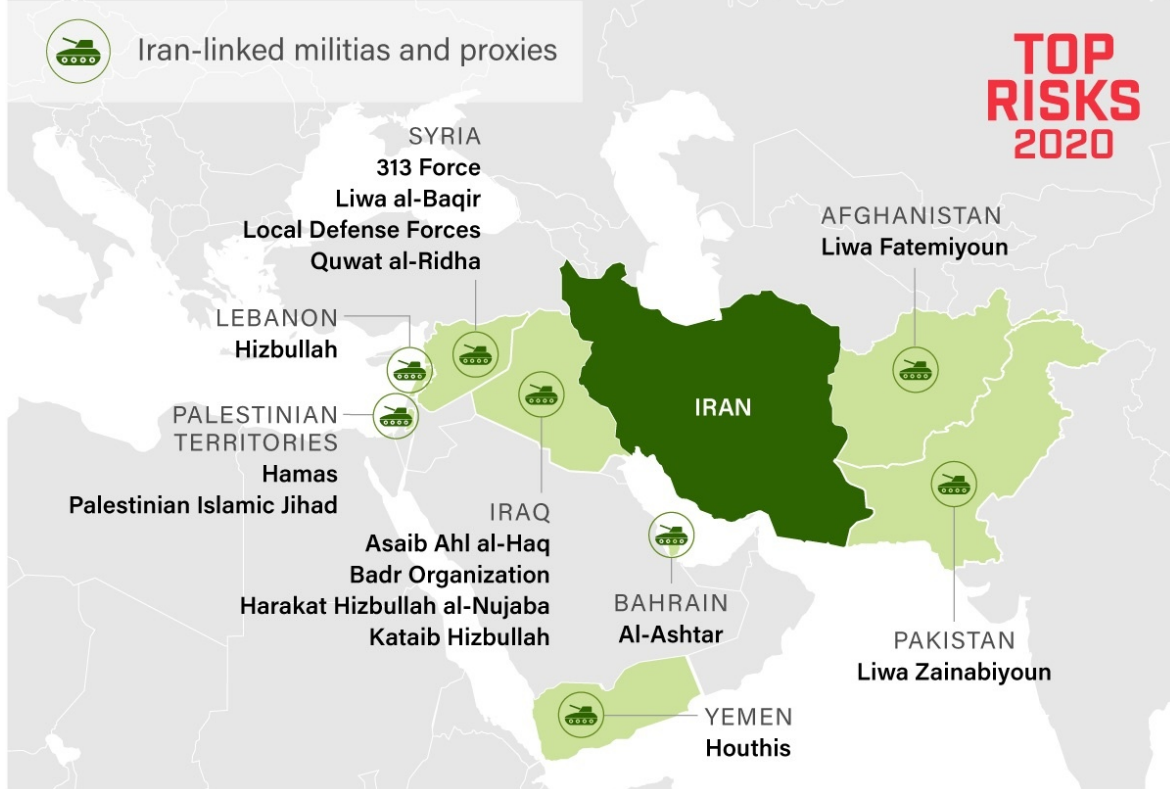
हज़िबुल्लाह

परिचय:

- यह लेबनान में स्थित एक शिया मुस्लिम राजनीतिक पार्टी एवं आतंकवादी संगठन है जिससे “राज्य के अंदर एक राज्य” संचालित करने के लिये जाना जाता है । इसकी अर्द्ध-सैनिक शाखा (जहाद काउंसिल) द्वारा लेबनान में सबसे शक्तिशाली सशस्त्र बल का संचालन किया जाता है ।
- हज़िबुल्लाह का [इसलामिक जहाद संगठन \(IZO\)](#), जिससे [बाह्य सुरक्षा संगठन या यूनिट 910](#) भी कहा जाता है, एक अत्यधिक विभाजित इकाई है जो विदेशों में आतंकवादी कार्रवाइयों (विशेष रूप से पश्चिमी लक्ष्यों के विरुद्ध) के संचालन के लिये ज़िम्मेदार है ।
- [इज़रायल और संयुक्त राज्य अमेरिका को](#) हज़िबुल्लाह अपना प्रमुख शत्रु मानता है ।

//

Iran's regional reach



Subscribe to our global politics newsletter Signal at gzeromedia.com

Source: IISS

GZERO

■ उद्देश्य:

- अपनी स्थापना के समय से ही इसका उद्देश्य इज़रायल को खत्म करना रहा है ।
- हज़िबुल्लाह के पास राज्य जैसी सैन्य क्षमताएँ हैं जिनमें वायु रक्षा प्रणाली, मिसाइल, नरिदेशित मिसाइल, रॉकेट और मानव रहित विमान प्रणाली शामिल हैं ।
- यह समूह ईरान के साथ अपनी रणनीतिक साझेदारी को बनाए रखने, सीरियाई शासन का समर्थन करने तथा लेबनान के भीतर अपनी शक्ति को मज़बूत करने पर केंद्रित है । इसके साथ ही यह इज़रायल के हितों का वरिध कर रहा है तथमध्य पूर्व से अमेरिकी सेनाओं को बाहर निकालने का प्रयास कर रहा है ।

■ प्रभाव क्षेत्र:

- इसका प्रभाव पूरे लेबनान में है ।
- यह इराक, सीरिया और यमन में शिया आतंकवादियों को प्रशिक्षण और अन्य सैन्य सहायता प्रदान करने के लिये ईरानी अधिकारियों के साथ कार्य करता है ।



Note: As of 2021

Source: RANE

■ संयुक्त राष्ट्र का रुखः

- हज़िबुल्लाह को संयुक्त राष्ट्र एक आतंकवादी संगठन मानता है तथा इसकी सैन्य क्षमताओं के साथ क्षेत्रीय संघर्षों तथा वैश्विक

आतंकवाद में संलग्नता के कारण इसे एक बड़ा खतरा मानता है।

बदर संगठन

■ परिचय:

- यह एक **इराकी शिया इस्लामवादी और खोमेनीवादी राजनीतिक दल** और अर्द्धसैनिकी समूह है।
- मूल रूप से बदर ब्रिगेड या बदर कोर के नाम से जाना जाने वाला यह संगठन वर्ष **1982** में **इराक में इस्लामी क्रांति** के लिये सर्वोच्च **परषिद (SCIRI)** की सैन्य शाखा के रूप में निर्मित किया गया था, जो ईरान स्थिति एक शिया इस्लामी पार्टी थी।

■ उद्देश्य:

- बदर ब्रिगेड की स्थापना ईरानी खुफिया एजेंसी और **शिया धर्मगुरु मोहम्मद बाकरि अल-हकीम के सहयोग से की गई थी**, जिसका मुख्य उद्देश्य **ईरान-इराक युद्ध** के दौरान **सद्दाम हुसैन के बाथसिस्ट शासन का वरिध करना था**।
- वर्ष **2003** में **इराक पर अमेरिका के नेतृत्व में आक्रमण** के पश्चात्, बदर ब्रिगेड के लड़ाकों का एक बड़ा हिस्सा **इराकी सेना और पुलिस बलों में शामिल हो गया**, और इराक के सुरक्षा तंत्र का एक अभिन्न अंग बन गया।
- बदर संगठन को वर्ष **2014** में **पॉपुलर मोबिलाइजेशन फोर्सज (PMF)** के एक भाग के रूप में **इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड द लेवेंट (ISIL)** से लड़ने में सक्रिय भागीदारी के कारण पुनः प्रसिद्धि मिली।
- इराक के अर्द्धसैनिकी ढाँचे के भीतर इसकी **भूमिका महत्वपूर्ण रही है**, जिसने राष्ट्रीय सुरक्षा में योगदान दिया है, विशेष रूप से PMF के साथ अपने सहयोग के माध्यम से, जो इराकी सरकार की नगिरानी में कार्य करता है।

■ प्रभाव क्षेत्र:

- **बगदाद और दक्षिणी इराक**।

■ संयुक्त राष्ट्र का रुख:

- संयुक्त राष्ट्र बदर संगठन को उसके ईरान से संबंधों, सांप्रदायिक हिंसा तथा इराक के शासन और क्षेत्रीय स्थिरता पर नकारात्मक प्रभाव के कारण **अस्थिरता उत्पन्न करने वाला संगठन मानता है**।

इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड ऐश-शाम (ISIS)

■ परिचय:

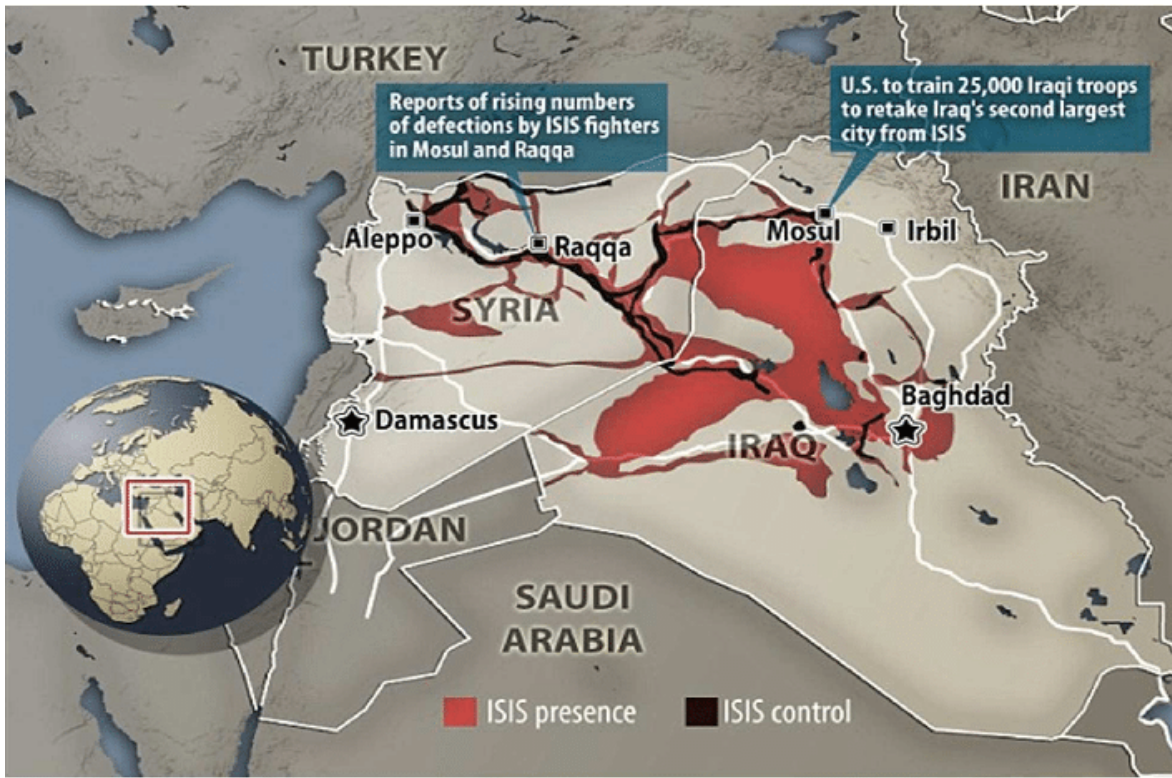
- ISIS एक **सलाफी-जहादी समूह है**, जो विश्व भर में विभिन्न आतंकवादी हमलों के लिये ज़िम्मेदार है, जिसके परिणामस्वरूप हजारों लोग मारे गए और घायल हुए हैं।
- वर्ष 2004 में अबू मुसाब अल-जरकावी के नेतृत्व में एक इराकी चरमपंथी नेटवर्क ने अल-कायदा के साथ वलिय कइराक में **अल-कायदा (AQI) का गठन किया**, जिसका नेतृत्व जरकावी ने वर्ष 2006 में अपनी मृत्यु तक किया।
- वर्ष 2010 में अबू बकर अल-बगदादी ने इस समूह पर कब्ज़ा कर लिया और वर्ष **2011 तक पूर्वी सीरिया में इसके संचालन का वसितार कर दिया**।
- वर्ष **2013 में AQI ने अपना नाम बदलकर ISIS कर लिया**, और वर्ष 2014 में, इस समूह ने अल-कायदा से संबंध तोड़ लिये, तथा स्वयं को खिलाफत घोषित कर दिया तथा इराक और सीरिया में महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर कब्ज़ा कर लिया।
- वर्ष 2019 में एक अंतरराष्ट्रीय गठबंधन ने सीरिया में अपने अंतिम गढ़ से ISIS को खदेड़ दिया, हालाँकि यह समूह सीरिया और इराक दोनों में गुप्त रूप से काम करना जारी रखता है।

■ उद्देश्य:

- ISIS विभिन्न प्रकार की रणनीति अपनाता है, जिसमें इराक और सीरिया में **मैलकषति हत्याएँ, IED हमले, घात लगाकर हमला, सैन्य शैली के हमले, अपहरण और आत्मघाती बम वसिफोट शामिल हैं**।
- यह समूह विश्व भर में अपने अनुयायियों को आसानी से उपलब्ध हथियारों का उपयोग करके अपने देशों में अभियान चलाने के लिये प्रोत्साहित करता है।
- यह संगठन **मुख्य रूप से इराक और सीरिया में सैन्य बलों और नागरिक रक्षा समूहों को नशाना बनाता है**।
- ISIS प्रायः सरकारी कर्मियों और बुनियादी ढाँचे पर हमला करता है, साथ ही **विदेशी सहायता कर्मियों और नागरिकों पर भी हमला करता है, जिनके बारे में माना जाता है कि वे इसकी वचिारधारा या इस्लामी कानून की व्याख्या का वरिध कर रहे हैं**।

■ प्रभाव क्षेत्र:

- **मुख्यतः उत्तरी और पूर्वी सीरिया तथा उत्तरी इराक**।



- **संयुक्त राष्ट्र का रुख:**
 - संयुक्त राष्ट्र ने ISIS को एक आतंकवादी संगठन और वैश्विक खतरा करार दिया है तथा इसकी कसूर हिसा और बड़ी संख्या में हुई मौतों की नंदि की है ।
- **भारत का रुख:**
 - भारत ISIS और उससे संबद्ध संगठनों की कड़ी नंदि करता है और उन पर प्रतबिंध लगाता है ।

बोको हरम

- **परचिय:**
 - बोको हरम पश्चिमी प्रभाव को समाप्त करने तथा अपने कार्यक्षेत्र में सलाफी-इस्लामवादी राज्य की स्थापना करना चाहता है ।
 - वर्ष 2002 में अपनी स्थापना के पश्चात् से बोको हरम अनुमानतः 50,000 मौतों और 2.5 मिलियन से अधिक लोगों के वस्तिथान के लिये ज़िम्मेदार रहा है ।
 - यह समूह पहले अल-कायदा और ISIS से संबद्ध था, लेकिन वर्तमान में दोनों से स्वतंत्र रूप से कार्य करता है ।
 - वर्ष 2021 के पश्चात् वभिन्नि सदस्य ISIS- पश्चिमी अफ्रीका में चले गए या स्थानीय अधिकारियों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया ।
- **उद्देश्य:**
 - बोको हरम प्रायः नागरिकों और कषेत्रीय सुरक्षा बलों के वरिद्ध हमले करने के लिये छोटे हथियारों का इस्तेमाल करता है ।
 - यह समूह फरीती प्राप्त करने और चकितिसा सेवाओं तक पहुँच प्राप्त करने के लिये अपहरण करता है ।
 - इसने महिलाओं और बच्चों समेत अप्रशिक्षित अपहरण पीड़ितों को आत्मघाती हमलावरों के रूप में इस्तेमाल कथिा है ।
- **प्रभाव कषेत्र:**
 - पूर्वोत्तर नाइज़ीरिया और दक्षिण-पूर्व नाइज़र के अतरिकित कैमरून और चाड में भी परचालन करता है ।
- **संयुक्त राष्ट्र का रुख:**
 - बोको हरम को संयुक्त राष्ट्र द्वारा आतंकवादी संगठन के रूप में मान्यता दी गई है ।

कुरदसितान वरकरस पारटी (PKK)

- **परचिय:**
 - कुरदसितान वरकरस पारटी (PKK), जसिे कौंगरा-गेल के नाम से भी जाना जाता है, एक उग्रवादी मार्क्सवादी-लेननिवादी कुरद अलगाववादी संगठन है जसिकी स्थापना वर्ष 1978 में एकीकृत, स्वतंत्र कुरदसितान की स्थापना के उद्देश्य से की गई थी ।
 - PKK कुरद अधिकारों और मान्यता को बढ़ावा देने के लिये ईरान, इराक, सीरिया और तुर्की में कुरद कषेत्रों पर नथितरण करना चाहता है ।
 - समूह का उद्देश्य अर्द्ध स्वायत्त कुरद कषेत्रों का एक संघ बनाना है ।
 - ऐतहासिक रूप से PKK ने अपना मुख्यालय इराक में स्थापित कथिा है तथा मुख्य रूप से तुर्की के कुरद-बहुल दक्षिण-पूर्वी कषेत्र में तुर्की हतियों को लकष्य बनाया है ।
 - दक्षिण-पूर्वी तुर्की में तुर्की सुरक्षा बलों ने PKK की अधिकांश गतविधियों को इराक और सीरिया की ओर हस्तांतरित कर दिया है ।

■ उद्देश्य:

- PKK अपने अभियानों में **गुरलिला युद्ध और आतंकवादी रणनीतिक संयोजन अपनाता है**।
- यह समूह वभिन्न प्रकार के शस्त्रों और वधियों का उपयोग करता है, जिनमें IED, कार बम, ग्रेनेड, छोटे हथियार, मोर्टार, आत्मघाती बम वसिफोट और अपहरण संबंधी गतिविधियाँ शामिल हैं।
- PKK **मुख्य रूप से उत्तरी इराक और सीरिया में तुर्की और तुर्की समर्थित बलों के साथ-साथ दक्षिण-पूर्वी तुर्की में तुर्की कर्मियों और बुनियादी ढाँचे पर हमले करता है**।
- यह समूह अपने हमलों में मानव रहित हवाई वाहनों और ह्यूमन-पोर्टेबल एयर डफेंस सिस्टम का भी उपयोग करता है।

■ प्रभाव क्षेत्र:

- उत्तरी इराक और दक्षिण-पूर्वी **तुर्की**।
- संबद्ध समूह उत्तरी **सीरिया**, उत्तरी **इराक** और पश्चिमी **ईरान** में सक्रिय हैं।



■ संयुक्त राष्ट्र का रुख:

- संयुक्त राष्ट्र ने **PKK की कार्रवाइयों को व्यापक आतंकवाद-रोधी चर्चाओं के भाग के रूप में देखा है**, तथा इसकी आतंकवादी गतिविधियों को मुख्य रूप से तुर्की के हितों के वपिरीत माना है।
- इस समूह को प्रायः **क्षेत्रीय अस्थिरता और तुर्की की सुरक्षा नीतियों पर इसके प्रभाव के संदर्भ में देखा जाता है**।

■ भारत का रुख:

- भारत के पास PKK को लक्षित करने के लिये कोई विशेष नीति नहीं है। हालाँकि वह अलगाववादी आंदोलनों द्वारा उत्पन्न चुनौतियों को परचिति है।

दृष्टि मुख्य परीक्षा प्रश्न:

प्रश्न: मध्य पूर्व में आतंकवादी संगठन किस प्रकार क्षेत्रीय शांति और सुरक्षा के लिये खतरा हैं? चर्चा कीजिये।

UPSC सवलि सेवा परीक्षा वगित वर्ष के प्रश्न (PYQ)

?????????:

प्रश्न. 'हैंड-इन-हैंड 2007' एक संयुक्त आतंकवाद वरिधी सैन्य प्रशक्तिषण भारतीय और नमिनलखिति में से कसि देश की सेना के अधिकारयिों द्वारा आयोजति कयिा गया था? (वर्ष 2008)

- (a) चीन
- (b) जापान
- (c) रूस
- (d) यू एस ए

उत्तर: (a)

?????????:

Q. आतंकवादी गतविधियिों और परस्पर अवशिवास ने भारत-पाकसितान संबंधों को धूमलि बना दिया है। खेलों और सांस्कृतकि आदान-प्रदानों जैसी मृदु शक्ति कसि सीमा तक दोनों देशों के बीच सद्भाव उत्पन्न करने में सहायक हो कर सकती हैं। उपयुक्त उदाहरणों के साथ चर्चा कीजयि। (2015)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/terror-groups-in-the-middle-east>

